24.07.2024

Press Release

Following is the copy of letter sent to Women and Child Welfare Minister GOI seeking investigation in the scandal about sub-standard food being provided to children in the Anganwadi Centres of Punjab and its bad effects on the health of children and pregnant women.

24.07.2024

To,

Smt Annpurna Devi,
Cabinet Minister,
Women and Child Welfare,
GOI,
New Delhi

Subject :- Request to investigate the scandal about sub-standard food being provided to children in the Anganwadi Centres of Punjab and its bad effects on the health of children and pregnant women.

Respected madam,

Through this letter, I wish to bring to your notice that the quality of the Panjiri being given as nutrition to pregnant women and little children in the Anganwadis of Punjab, is of very poor quality. There are some important aspects in this matter, which I would like to draw your attention to:-

Earlier this nutritious food Panjiri was being supplied by Verka Milkfed, a cooperative company of Punjab for about last 30-35 years. At that time, Verka Milkfed was preparing and supplying Panjiri with pure desi ghee, the quality of which was very good and pregnant women and children also liked it a lot, but last year the Punjab government changed the vendor from Verka Milkfed to Markfed, another government undertaking.

The said Markfed outsourced this vital work to a private company (Chandigarh Sweets Pvt. Ltd.) which is now making and supplying this Panjiri with refined soyabean oil

instead of desi ghee, which is very harmful for little children and pregnant women. The company which is supplying this Panjiri for preparation (Chandigarh Sweets Pvt. Ltd) was supplying sweets to Himfed last year, which is also a co-operative company of the Himachal Pradesh government. Due to fungus being found in sweets, Himfed cancelled the tender of this company, forfeited its security and banned this company. The same company had taken the tender to supply some sweets material to Verka Milkfed but since their samples failed the quality test Verka Milkfed too banned this company(Chandigarh Sweets Pvt.Ltd.).

The government violating all rules and regulations awarded the work to supply Panjiri to Markfed, which in turn outsourced the supply of Panjiri to the above said banned Chandigarh Sweets Pvt.Ltd. Below are some important facts which clearly show that there is a huge scam taking place in the supply of Panjiri (nutrition) to the Anganwadi centres of Punjab.

1) The said Punjab government owned company Verka Milkfed itself has 5 big plants for preparing Panjiri (Bathinda Verka Milkfed, Sangrur Verka Milkfed, Amritsar Verka Plant and Gurdaspur Verka Plant, The Doabaa Milkplant Jalandhar) while Markfed does not have even a single plant of its own for preparing Panjiri. Then why did the Punjab government give this tender for preparing Panjiri to Markfed?

2) Why did Markfed outsourced this tender work to Chandigarh Sweets Pvt.Ltd. company only while this company is banned by the Verka Milkfed, a well known cooperative company of Punjab government.

3) It is pertinent to mention here, that the Panjiri being prepared by Verka Milkfed was using pure Desi Ghee that was being supplied to Anganwadis, while the newly outsourced work by the above said private company is using refined soyabean oil, which is very harmful for the health of pregnant women and little children.

4) That as per the guidelines issued by the Central Government after the 2004 Act/Directions of the Supreme Court, no state shall use contractors and private companies for the supply of Anganwadi Nutrition (Panjiri). This nutritious food (Panjiri) can only be prepared by village community, self help groups or Mahila Mandals, then why was this work given to a private company in violation of abovesaid directions.

All the above said facts are pointing towards a big scandal in the supply of the said nutritious food (Panjiri). The said issue is not only about a scam but is also related to the lives of small children and pregnant women. Therefore, I request that the above said scandal be investigated by an independent agency like CBI to unearth the powerful nexus endangering the lives of children and the pregnant women. I am sure you will ensure speedy justice in the matter.

Thanking you,

With regards,

Sukhpal Singh Khaira,
MLA Bholath
Former Leader of Opposition
H.No. 6, Sector 5,
Chandigarh
+91-98153-33333
sukhpalkhaira@gmail.com

Annexure – 1

Sr. No.	Particular	Pages
1.	Proof of Fungs found in Chandigarh Sweets Pvt Ltd. By Himfed	7
2.	Chandigarh Sweets Pvt Ltd. Make a Panjiri from Refined Proof Attached of their Product Packing Picture	1
3.	Verka Make a Panjiri from Desi Ghee before Chandigarh Sweets Pvt. Ltd. Proof Attached of their Product Packing Picture	1
4.	News Paper News cutting Proof for Fungs and bitter smell found in Aanganwari Amritsar Nutrition (Panjiri)	5
5.	Dr Baljit Kaur gave False Statement to The Indian Express they not use Refined in Nutrition (Panjiri) but on the Packing mention they use Soyabean Refined	5

मिल्कफेड की मिठाइयों में मिला फंगस, मामले में जांच के आदेश, चंडीगढ़ स्वीट्स से बनवाई गई थी डोडा बर्फी

By ETV Bharat Himachal Pradesh Team

Published : Nov 15, 2023, 8:15 PM IST

Fungus Found In Milkfed Sweets: इस बार मिल्कफेड ने चंडीगढ़ स्वीट्स से मिठाइयां बनवाई थी. वहीं, इन मिठाई में फंगस मिलने की शिकायत मिली है. मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं. पढ़िए पूरी खबर...

शिमला:हिमाचल प्रदेश में मिल्कफेड की मिठाई पर इस बार सवाल उठने लगे हैं. दरअसल मिल्कफेड की मिठाई में लोगों को फंगस मिला है. जिसकी लोगों ने शिकायत की है. शिकाय मिलने के बाद सरकार ने जांच के आदेश दे दिए हैं. दरअसल त्योहारी सीजन में मिल्कफेड ने चंडीगढ़ में एक कंपनी को मिठाई

त्योहारी सीजन में मिल्कफेड ने चंडीगढ़ में एक कंपनी को मिठाई बनाने का ऑर्डर दिया था. जिसमें फंगस लगने की शिकायत आई है.

बता दें कि मिल्कफेड हिमाचल सरकार का सरकारी उपक्रम है. यहां के उत्पाद शुद्ध माने जाते रहे हैं. त्योहारी सीजन मिल्कफेड की मिठाइयों की बाजारों में काफी डिमांड होती है. इस बार दीवाली के लिए बनाई गई इनकी मिठाइयों में बड़ी मात्रा में फंगस पाया गया. इसकी शिकायत मिलने के बाद सरकार ने मिल्कफेड की सीनियर मैनेजर (प्लांट) प्रीति की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित कर दी है. कमेटी में असिस्टेंट कंट्रोलर तेजेश्वर शर्मा को सदस्य और मैनेजर मार्केटिंग संदीप कुमार को सदस्य सि
बनाया गया है.

इस कमेटी को 10 दिन के भीतर मिठाइयों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है. सचिव मिल्कफेड राकेश कंवर ने बताया कि खराब मिठाई मामले में जांच बिठा दी गई है. कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी. खराब मिठाइयों के कारण सोशल मीडिया में मिल्कफेड की खूब किरकिरी हो रही है. मिल्कफेड ने इस बार चंडीगढ़ स्वीट्स से मिठाईयां बनवाई है. खासकर डोडा बर्फी को लेकर लोग ज्यादा शिकायत कर रहे हैं. जाहिर है कि चंडीगढ़ स्वीट्स पर रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जा सकती है. चंडीगढ़ स्वीट्स को ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है.

मिल्कफेड हर साल दीपावली पर देसी घी से बनी मिठाइयां बेचता है. प्रदेशवासियों का मिल्कफेड की मिठाइयों पर विश्वास है. इसलिए सरकारी उपक्रम की मिठाईयां हाथोहाथ बिकती है. यही नहीं लोग मिल्कफेड से मिठाइयां खरीदकर अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भी बांटते हैं, लेकिन पहली बार मिल्कफेड की मिठाइयों की क्वालिटी पर सवाल खड़े हो रहे हैं. खराब मिठाइयों की शिकायत मिलने के बाद उन लोगों को बीमार पड़ने का डर सता रहा है, जिन्होंने जाने अनजाने में इन मिठाइयों को खा लिया है.

ये भी पढ़ें:ऊना गोलीकांड मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार, हमले का मास्टरमाइंड 11 सालों से लुधियान जेल में बंद, उत्तरी भारत के गैंगस्टर्स से जुड़े हैं तार

Follow Us

TAGGED: मिल्कफेड की मिठाइयों में मिला फंगस
मिल्कफेड मिठाइयों में फंगस
मिल्कफेड की मिठाइयां खराब
मिल्कफेड मिठाइयों की बिक्री

1:13 • 19%

हिमाचल में मिल्कफेड की मिठाइयों में फंगस:

चंडीगढ़ स्वीट्स दुकान से बनवाई थी, कार्रवाई की तैयारी; अप्रैल 2025 की है एक्सपायरी डेट

शिमला | 15/11/23

शेयर

हिमाचल सरकार के उपक्रम मिल्कफेड की मिठाई में फंगस मिली है। खासकर डोडा बर्फी में लोग फंगस की शिकायत कर रहे हैं।

हिमाचल सरकार के उपक्रम मिल्कफेड की कुछ मिठाइयां इस बार खराब निकली हैं। इनकी मिठाइयों में फंगस पाया गया। इसकी शिकायत मिलने के बाद सरकार ने मिल्कफेड की सीनियर मैनेजर (प्लांट) प्रीति की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित कर दी है। कमेटी में असिस्टेंट कंट्रोलर तेजेश्वर शर्मा को सदस्य और मैनेजर मार्केटिंग संदीप कुमार को सदस्य सचिव बनाया गया।

1:13 • 4G+ 19%

इस कमेटी को 10 दिन के भीतर मिठाइयों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। मिल्कफेड के सचिव राकेश कंवर ने बताया कि खराब मिठाई मामले की जांच बैठा दी गई है। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। खराब मिठाइयों के कारण सोशल मीडिया में मिल्कफेड की खूब किरकिरी हो रही है।

शेयर

मिल्कफेड की मिठाई के डिब्बे पर 20 अप्रैल 2025 की एक्सपायरी डेट।

अप्रैल 2025 की एक्सपायरी डेट

सवाल मिठाइयों के डिब्बे पर लिखी एक्सपायरी डेट को लेकर भी उठ रहे है। जिन डिब्बों में खराब मिठाइयां निकली हैं, उनमें 20 अप्रैल 2025 की एक्सपायरी डेट लिखी है। यानी जो मिठाई दिवाली से पहले ही खराब हो गई है, मैन्युफैक्चरर के अनुसार उस मिठाई को अप्रैल 2025 तक खाया जा

1:14 • 4G+ 19%

सकता है।

मिल्कफेड ने चंडीगढ़ स्वीट्स से बनवाई मिठाइयां

मिल्कफेड ने इस बार चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया फेस-1 में स्थित चंडीगढ़ स्वीट्स दुकान से मिठाइयां बनाई हैं। खासकर डोडा बर्फी को लेकर लोग ज्यादा शिकायत कर रहे हैं। जाहिर है कि चंडीगढ़ स्वीट्स पर रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जा सकती है। चंडीगढ़ स्वीट्स को ब्लैक लिस्ट किया जा सकता है।

हर साल दीपावली पर मिठाइयां बेचता है मिल्कफेड

मिल्कफेड हर साल दीपावली पर देसी घी से बनी मिठाइयां बेचता है। प्रदेशवासियों का मिल्कफेड पर भरोसा है। इसलिए सरकारी उपक्रम की मिठाइयां हाथों हाथ बिकती हैं। यही नहीं लोग मिल्कफेड से मिठाइयां खरीदकर अपने दोस्तों व रिश्तेदारों को भी बांटते हैं। मगर, पहली बार मिल्कफेड की मिठाइयों की क्वालिटी पर इस तरह के सवाल खड़े हुए हैं।

1:14 • 4G+ 19%

मिल्कफेड की मिठाइयों में फंगस। इन्हें चंडीगढ़ स्वीट्स ने बनाया है। सरकार ने जांच के निर्देश दे दिए हैं।

देसी घी में बनती है मिल्कफेड की मिठाइयां

सरकारी उपक्रम का दावा है कि सभी मिठाइयां देसी घी में बनाई जाती हैं। इसलिए भी लोग मिल्कफेड की मिठाइयां ज्यादा पसंद करते हैं। खासकर फेस्टिवल सीजन के दौरान बाजार में मिलावटी मिठाइयां होने की वजह से प्रदेश में लोग मिल्कफेड की मिठाइयों को ज्यादा पसंद करते हैं।

कोरोना से पहले खुद मिठाई बनाता था मिल्कफेड

सरकारी उपक्रम कोरोना से पहले तक सभी मिठाइयां खुद बनाता था। मगर, कोरोना काल के बाद से मिल्कफेड ने खुद मिठाइयां बनानी बंद की। इसके बाद से चंडीगढ़ स्वीट्स से मिठाइयां बनवा रहा है और यही मिठाइयां लोगों को मुहैया कराई जाती हैं।

लोगों को सता रहा बीमार होने का डर

खराब मिठाइयों की शिकायत के बाद उन लोगों के बीमार पड़ने का डर सता है जिन्होंने जाने-अंजाने इन मिठाइयों को खा लिया है। जाहिर है कि ऐसी लापरवाही करने वाले दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी है, क्योंकि लोगों ने बाजार से महंगे दाम पर मिल्कफेड की मिठाइयां खरीदी है।

खबरें और भी हैं...

हिमाचल के मशहूर सिंगर एसी भारद्वाज

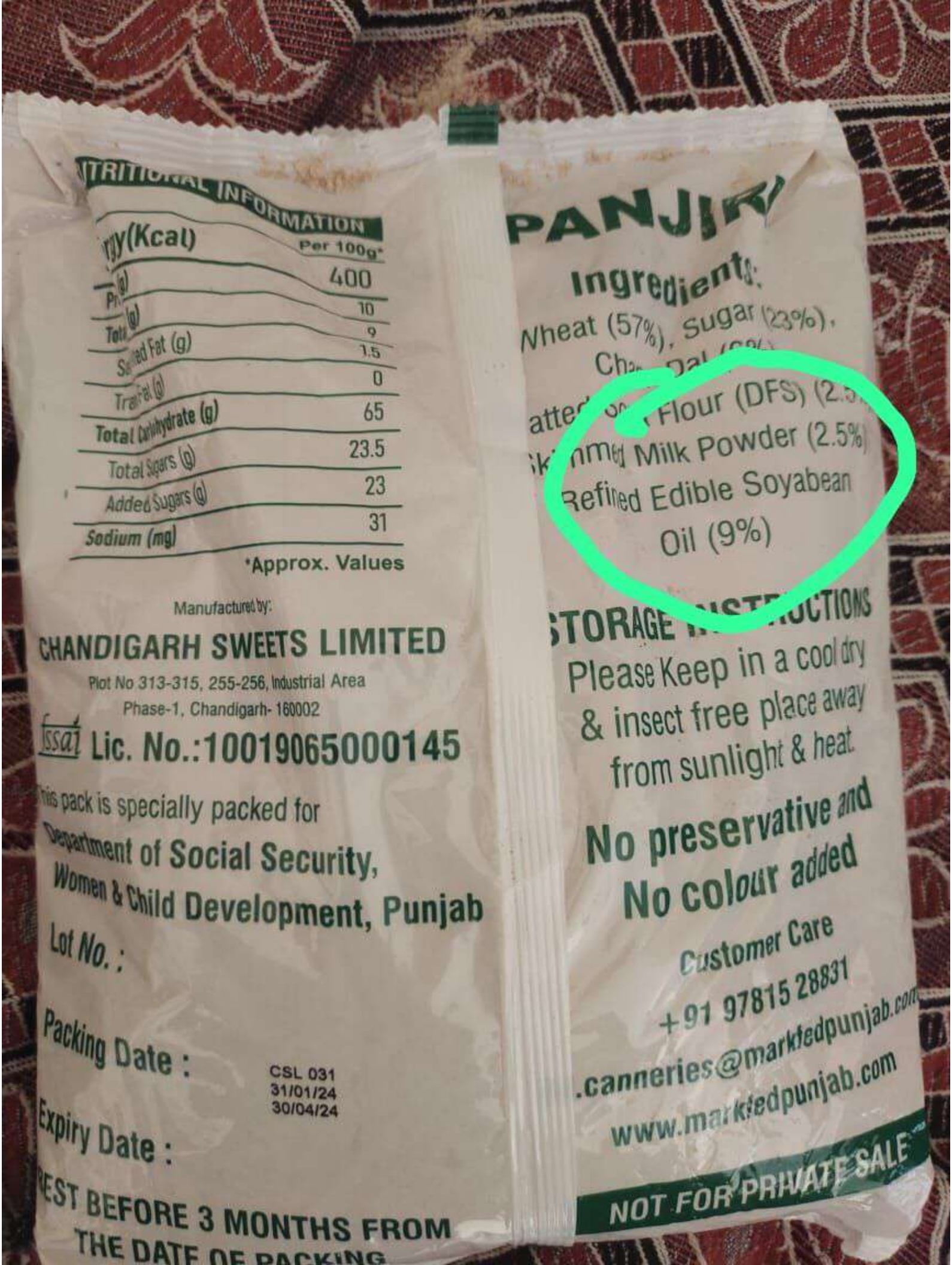

NUTRITIONAL INFORMATION
Energy (Kcal) Per 100g* 400
Protein (g) 10
Total Fat (g) 9
Saturated Fat (g) 1.5
Trans Fat (g) 0
Total Carbohydrate (g) 65
Total Sugars (g) 23.5
Added Sugars (g) 23
Sodium (mg) 31
*Approx. Values
Manufactured by:
CHANDIGARH SWEETS LIMITED
Plot No 313-315, 255-256, Industrial Area
Phase-1, Chandigarh- 160002
fssai Lic. No.:10019065000145
This pack is specially packed for
Department of Social Security,
Women & Child Development, Punjab
Lot No. :
Packing Date :
Expiry Date :
CSL 031
31/01/24
30/04/24
BEST BEFORE 3 MONTHS FROM
THE DATE OF PACKING
PANJIRI
Ingredients:
Wheat (57%), Sugar (23%),
Skimmed Milk Powder (2.5%)
Refined Edible Soyabean
Oil (9%)
STORAGE INSTRUCTIONS
Please Keep in a cool dry
& insect free place away
from sunlight & heat.
No preservative and
No colour added
Customer Care
+91 97815 28831
.canneries@markfedpunjab.com
www.markfedpunjab.com
NOT FOR PRIVATE SALE

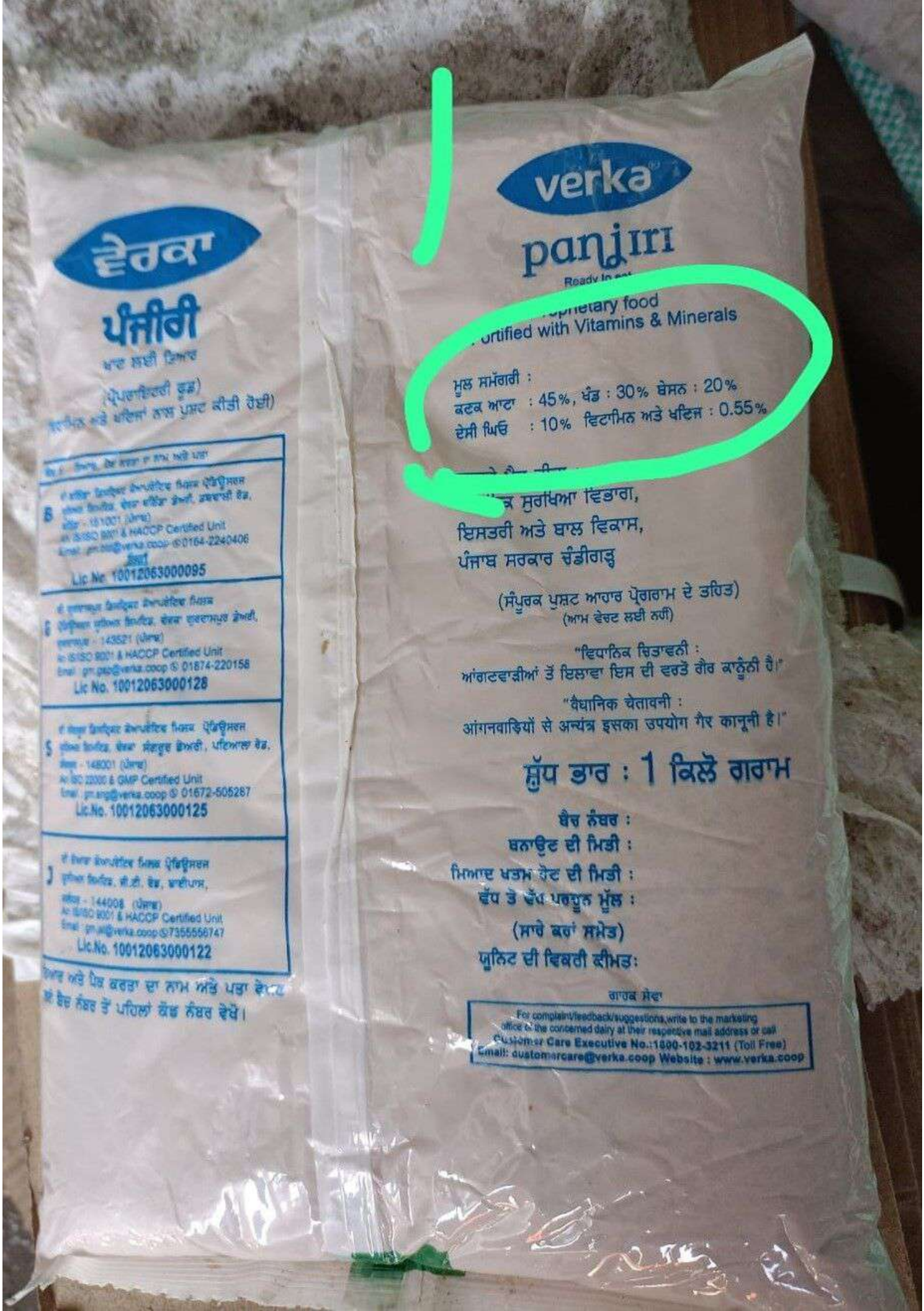

ਵੇਰਕਾ
ਪੰਜੀਰੀ
Lic.No. 10012063000095
Lic.No. 10012063000128
Lic.No. 10012063000125
Lic.No. 10012063000122
verka
panjiri
ortified with Vitamins & Minerals
ਮੂਲ ਸਮੱਗਰੀ :
ਕਣਕ ਆਟਾ : 45%, ਖੰਡ : 30% ਬੇਸਨ : 20%
ਦੇਸੀ ਘਿਓ : 10% ਵਿਟਾਮਿਨ ਅਤੇ ਖਣਿਜ : 0.55%
ਸੁਰਖਿਆ ਵਿਭਾਗ,
ਇਸਤਰੀ ਅਤੇ ਬਾਲ ਵਿਕਾਸ,
ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ
(ਸੰਪੂਰਕ ਪੁਸ਼ਟ ਆਹਾਰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਤਹਿਤ)
(ਆਮ ਵੇਚਣ ਲਈ ਨਹੀਂ)
"ਵਿਧਾਨਿਕ ਚਿਤਾਵਨੀ :
ਆਂਗਣਵਾੜੀਆਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਇਸ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਗੈਰ ਕਾਨੂੰਨੀ ਹੈ।"
"वैधानिक चेतावनी :
आंगनवाड़ियों से अन्यंत्र इसका उपयोग गैर कानूनी है।"
ਸ਼ੁੱਧ ਭਾਰ : 1 ਕਿਲੋ ਗਰਾਮ
ਬੈਚ ਨੰਬਰ :
ਬਨਾਉਣ ਦੀ ਮਿਤੀ :
ਮਿਆਦ ਖਤਮ ਹੋਣ ਦੀ ਮਿਤੀ :
ਵੱਧ ਤੋ ਵੱਧ ਪਰਚੂਨ ਮੁੱਲ :
(ਸਾਰੇ ਕਰਾਂ ਸਮੇਤ)
ਯੂਨਿਟ ਦੀ ਵਿਕਰੀ ਕੀਮਤ:
ਗਾਹਕ ਸੇਵਾ
Customer Care Executive No.:1800-102-3211 (Toll Free)
Email: customercare@verka.coop Website : www.verka.coop

Amritsar News: ਆਂਗਣਵਾੜੀ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਖੁਰਾਕ ਦੇਣ ਵਾਲੀ ਫੀਡ 'ਚ ਮਿਲਿਆ ਮੋਲਡ, ਵਰਕਰਾਂ ਨੇ ਵੰਡਣ ਤੋਂ ਕੀਤਾ ਇਨਕਾਰ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਬਿਊਰੋ

ਅੱਪਡੇਟ ਕੀਤਾ ਸੂਰਜ, 14 ਜੁਲਾਈ 2024 09:26 PM IST

ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ

ਅਗਲਾ ਲੇਖ

ਸੰਵਾਦ ਨਿਊਜ਼ ਏਜੰਸੀ

ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਵੀਡੀਓਜ਼

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ. ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਆਂਗਣਵਾੜੀ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਆਹਾਰ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਫੀਡ ਖ਼ਰਾਬ ਨਿਕਲ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਸ ਫੀਡ ਵਿੱਚ ਉੱਲੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਆਂਗਣਵਾੜੀ ਵਰਕਰਾਂ ਨੇ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਬੱਚਿਆਂ ਅਤੇ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਘਰ-ਘਰ ਜਾ ਕੇ ਬਾਸੀ ਅਤੇ ਬਦਬੂਦਾਰ ਫੀਡ ਵੰਡਣ ਤੋਂ ਇਨਕਾਰ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।
ਵਰਨਣਯੋਗ ਹੈ ਕਿ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸੂਬੇ ਵਿੱਚ ਗਰਭਵਤੀ ਔਰਤਾਂ ਅਤੇ ਦੁੱਧ ਪਿਲਾਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ

ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ

ਇਕ ਹੋਰ ਸਕੂਲ ਦੀ ਆਂਗਣਵਾੜੀ ਵਰਕਰ ਨੇ ਆਪਣਾ ਨਾਂ ਨਾ ਛਾਪਣ ਦੀ ਸ਼ਰਤ 'ਤੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਕੂਲ 'ਚ ਫੀਡ ਬਾਸੀ ਤੇ ਮਲਟੀਲੀ ਆ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਸਬੰਧੀ ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਸੀਡੀਪੀਓ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਵੀ ਸੂਚਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰੱਖਣ ਲਈ ਹੈ ਨਾ ਕਿ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਨਾਲ ਖਿਲਵਾੜ ਕਰਨ ਲਈ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਛੋਟੇ ਬੱਚਿਆਂ ਅਤੇ ਔਰਤਾਂ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਸੀ ਲਗਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਜੋ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਭੋਜਨ ਮਿਲ ਸਕੇ।

ਅਗਲਾ ਲੇਖ

ਆਂਗਣਵਾੜੀ ਵਰਕਰਾਂ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਾਫ਼ ਅਤੇ ਸਹੀ ਫੀਡ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ, ਉਹ ਫੀਡ ਤਿਆਰ ਕਰਕੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਦੇਣਗੇ। ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਫੀਡ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਬਾਸੀ ਅਤੇ ਉੱਲੀ ਫੀਡ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਨਾਲ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਵਿਕਾਸ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।
ਫੂਡ ਸਪਲਾਈ ਕੰਟਰੋਲਰ ਸਰਤਾਜ ਸਿੰਘ ਚੀਮਾ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਹੈ ਕਿ ਆਂਗਣਵਾੜੀ ਕੇਂਦਰਾਂ ਵਿੱਚ ਮਾੜੀ ਖੁਰਾਕ ਇੱਕ ਵੱਡੀ ਸਮੱਸਿਆ ਹੈ। ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਭੋਜਨ ਭੇਜਦੀ ਹੈ। ਬੱਚਿਆਂ ਅਤੇ ਔਰਤਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਨਾਲ ਖਿਲਵਾੜ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਉਹ ਇਸ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਵਾਏਗਾ।

ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ

AD

पुरुष शक्ति!
और आसान

AD

पुरुष शक्ति
घंटे तक । इस
कम ही लोग

ADVERTISEMENT

Anganwadi worker body chief says Punjab govt providing sub-standard food; minister denies charge

Punjab Minister for the Department of Social Security and Development of Women and Children Baljit Kaur, however, called the charges "baseless". The AAP government changed the list of products about a year ago.

Written by Raakhi Jagga Follow
Ludhiana | Updated: July 11, 2024 12:08 IST

NewsGuard

Follow Us

Advertisement
X

Punjab Minister for the Department of Social Security and Development of Women and Children Baljit Kaur, however, called the charges "baseless". The AAP government changed the list of products about a year ago. (Express File)

President of the Punjab Anganwadi Workers Association Hargobind Kaur Wednesday accused the Aam Aadmi Party (AAP) government of indulging in “rampant corruption by supplying sub-standard food products” for distribution among pregnant and lactating women and children up to six years “after removing the state cooperative Verka and giving the responsibility to Markfed, which is blacklisted in Himachal Pradesh”.

Kaur alleged it was done because “Verka did not give kickbacks”.

Punjab Minister for the Department of Social Security and Development of Women and Children Baljit Kaur, however, called the charges “baseless”. The AAP government changed the list of products about a year ago.

ADVERTISEMENT

Besides, the government also provides panjiri made from refined oil instead of desi ghee. Women and children don't like these products. Anganwadi workers sent feedback to the Department of Social Security repeatedly, but nothing happened. So, I am raising the issue," said Hargobind Kaur, who is also the president of the Istri Akali Dal.

Kaur said that she was dismissed from the Anganwadi job recently "on flimsy grounds for taking excess leave and campaigning for **the Akali Dal**. It was a political vendetta by the AAP government against me because I raised the voice of women and children who complained against the supply of sub-standard food products".

"Markfed is getting the products prepared from a blacklisted private company, while Verka has five plants to make panjiri, which people like," Kaur alleged.

Earlier, Anganwadi workers used to get dry ration based on the Centre's recommendation (per child and woman basis) and they used to cook dalia and kheer at Anganwadi centres and Verka would supply panjiri for distribution among women and children on fixed days.

ADVERTISEMENT

Kaur alleged, "The AAP government has purposely divested Verka of the responsibility of supplying milk powder, ghee and panjiri and given this responsibility to Markfed, which has given the contract to a private company. This private company is supplying sub-standard food materials and has even replaced desi ghee with refined oil. The company has been blacklisted in Himachal Pradesh and even Verka had earlier rejected its products."

Also Read | **Pre-Budget consultations: Need better social security net for ASHA,**

"Now, Anganwadi workers have been divested of the responsibility of preparing food resulting in unemployment of helpers who used to cook dalia and kheer. The Congress government had also stopped Anganwadi ration in 2005, but had to restart after the workers' agitation," she said.

When contacted, Baljit Kaur told The Indian Express, "The allegation of giving work to a blacklisted company is baseless. Markfed is handling the entire food distribution work. The expense per child and woman is around Rs 10 a day, which is very little, but we are trying to provide the maximum we can bring in that budget."

"We even asked the Centre to increase the budget. We have introduced millets in some of the items and even millet flour is used in panjiri. But, in Punjab, people are used to eating wheat-based foods. Hence, we sought feedback and would resolve this issue. Refined oil is not used. It is a dry-roasted panjiri. We got feedback for adding desi ghee. We have noted all suggestions and are trying to make the necessary changes. Otherwise, nothing is sub-standard. So far, only Anganwadi workers have given us this feedback. We are open to suggestions. However, the food quality is up to the mark. Necessary suggestions are being looked into," the minister said lambasting Hargobind Kaur's claims.

ADVERTISEMENT

Pregnant and lactating women are given a diet from the start of pregnancy till the baby is six months and the per day charge is Rs 9.50 per pregnant or lactating woman.

Subscribe to receive the day's headlines from The Indian Express straight in your inbox

Subscribe

From six months to 72 months (3 years), the cost of diet per child is Rs 8 a day and Rs 12 a day for severely malnourished children of the same age group. Up to 3 years, children are provided a diet at their houses, but children older than 3 and up to 6 are given a diet at Anganwadi centres. Notably, 'murmure' (rice puff) is given along with other foods, as per the current diet plan.

© The Indian Express Pvt Ltd

First uploaded on: 11-07-2024 at 09:11 IST

TAGS: AAP Punjab

Taboola Feed

Young Millionaire From New Delhi Tells How She Got Rich

Setfieseep | Sponsored

Read More

Powering the growth of India's industries

Mitsubishi Electric | Sponsored

Click Here

Motilal Oswal Manufacturing Fund NFO

Invest in India's Mfg Prowess

Motilal Oswal Mutual Fund | Sponsored

Learn More

A 23-Year-Old From New Delhi Shows How She Earns □290,000 A Day

Setfieseep | Sponsored

Read More

Born Between 1979-1999? Get `2Cr Term Insurance from Max Life

Max Life Insurance | Sponsored

Get Quote

Amazon CFD: Your Route to a Second Income

Great opportunity